जबसे किया है पार खाटू का तोरण द्वार | By Kumar Shanu

जबसे किया है पार खाटू का तोरण द्वार
और मिला तेरा दरबार बदली मेरी दुनिया है
बदली मेरी दुनिया है.....
पहले था लाचार करता था सोच विचार
अब मिल रहा सब का प्यार बदली मेरी दुनिया है
बदली मेरी दुनिया है.....

जाते ही श्याम कुंड में डुबकीजो मैंने लगाई
जीवन के हर पापों से मुक्ति है मैंने पाई
खाटू की माटी में ही मेरा सारा संसार
जबसे किया है पार.....

दर्शन के लिए अभिलाषा जब मैंने कदम बढ़ाया
मंदिर के रास्ते मैंने हर शख्स में तुझको पाया
पड़ी नजरें जब शिखर पर बजे वीणा के तार
जबसे किया है पार.....

ग्यारस का पावन दिन था भक्तों की लंबी कतारें
कानों में सुनाई पड़े फिर हर तरफ तेरे जयकारे
करी चौखट पार मैंने और हुआ तेरा दीदार
जबसे किया है पार.....

भक्तों के संग कीर्तन में शानू ने रात बिताई
पारस की धोक लगा कर फिर शिवम ने मांगी बिदाई
लगा मुझको कहे बाबा आते रहना हर बार
जबसे किया है पार.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%8b/